पवित्र भूमि को जोड़ने वाली हवाई सेवा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में तीन वर्ष से अधिक के अंतराल के बाद **पिथौरागढ़ के नैनी-सैनी हवाई अड्डे से उड़ान संचालन शुरू हुआ।**

मुख्य बिंदु:

- उड़ान संचालन को फिर से शुरू करने के बाद, जिसे वर्ष 2020 की शुरुआत में निलंबित कर दिया गया था, विमानन कंपनी **फ्लाईबिग** सप्ताह में तीन बार सोमवार, मंगलवार व शुक्रवार को **देहरादून और पिथौरागढ़ के बीच 19 सीटों वाला विमान** संचालित करेगी।
- हवाई अड्डे से सेवाओं की बहाली, जिसे **जल्द ही पंतनगर और फिर गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डे तक बढ़ाया जाएगा,** रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण सीमावर्ती ज़िले के लिये महत्त्वपूर्ण होगी।
- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के अनुसार, देहरादून तथा पिथौरागढ़ के बीच हवाई कनेक्टिविटी से **मानसखंड क्षेत्र में धार्मिक** पर्यटन **को और बढ़ावा मिलेगा।**
- **आदि कैलाश शिखर और जागेश्वर धाम के दर्शन के लिये** प्रधानमंत्री की **जोलिंगकोंग** यात्रा से **पर्यटकों में रुचि जागृत हुई**, जिन्होंने बड़ी संख्या में **अपेक्षाकृत कम ज्ञात धार्मिक स्थलों** की यात्रा करना शुरू कर दिया है।

आदि कैलाश शिखर

//

- आदि कैलाश, जिसे शिव कैलाश, छोटा कैलाश, बाबा कैलाश या जोंगलिंगकोंग पीक के नाम से भी जाना जाता है, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले में **हिमालय पर्वत श्रेणी** में स्थित एक पर्वत है।

जागेश्वर धाम

- यह उत्तराखंड के अल्मोड़ा ज़िले में स्थित एक हिंदू तीर्थस्थल है। यह स्थल भारतीय कानूनों के तहत संरक्षित है और **भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण** द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/flight-operations-linking-sacred-lands